सीबीएसई में आन स्क्रीन मार्किंग प्रणाली अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप : मंत्रालय

मूल्यांकन पद्धति पर उठे सवालों पर कहा- यह पारदर्शी प्रणाली, गड़बड़ी की गुंजाइश नहीं

नई दिल्ली, प्रेट्र : सीबीएसई कक्षा 12वीं के परीक्षा परिणामों के बाद छात्रों और अभिभावकों के बीच बढ़ी चिंताओं और असमंजस की स्थिति के मद्देनजर शिक्षा मंत्रालय ने बड़ा कदम उठाया है। इसने स्पष्ट किया है कि नई डिजिटल 'आन-स्क्रीन मार्किंग' (ओएसएम) प्रणाली पूरी तरह सुरक्षित, पारदर्शी और अंतर्राष्ट्रीय मानकों के अनुरूप है। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने भी स्पष्ट किया है कि छात्रों का हित और मानसिक सुकून उसके लिए सर्वोपरि है।

एक प्रेस कान्फ्रेंस को संबोधित करते हुए स्कूल शिक्षा सचिव संजय कुमार ने बताया कि इस बार कुल 98 लाख उत्तर पुस्तिकाओं को स्कैन किया गया। डिजिटल मार्किंग की वजह से पास प्रतिशत में गिरावट आने की आशंकाएं निराधार हैं। इस साल 12वीं का पास प्रतिशत पिछले साल के 88 प्रतिशत से घटकर 85 प्रतिशत रहा है, लेकिन इसका तकनीक से कोई संबंध नहीं है।

- शिक्षा मंत्रालय ने कहा-98 लाख शीट स्कैन की गईं, सुरक्षा के तीन स्तरों का पालन किया गया
- सीबीएसई का छात्रों को भरोसा, मूल्यांकन में नहीं होगी नाइंसाफी, सुधार के लिए मिलेगा पूरा मौका

शिक्षा सचिव ने बताया कि कुछ उत्तर पुस्तिकाओं में छात्रों द्वारा बहुत हल्की स्याही (लाइट इंक) का उपयोग किया गया था, जिससे बार-बार स्कैन करने के बाद भी वे पढ़ने योग्य नहीं थीं। ऐसे मामलों में 13 हजार उत्तर पुस्तिकाओं को शिक्षकों द्वारा मैनुअली जांचा गया और फिर उनके अंक दर्ज किए गए।

> इस बार कुल 98 लाख उत्तर पुस्तिकाओं को स्कैन किया गया। सुरक्षा के तीन कड़े स्तरों का पालन किया गया, जिससे टोटलिंग में होने वाली मानवीय गलतियों की गुंजाइश पूरी तरह खत्म हो गई है।
> - **संजय कुमार**, स्कूल शिक्षा सचिव

> सीबीएसई छात्रों के हित में काम करने वाली संस्था है। लगभग 1.25 करोड़ कापियों के मूल्यांकन में मानवीय चूक की गुंजाइश हो सकती है, लेकिन हमारे पास उसे सुधारने के पुख्ता रास्ते हैं।
> - **संयम भारद्वाज**, परीक्षा नियंत्रक (सीबीएसई)

रीचेकिंग फीस में भारी कटौती, नंबर बढ़ने पर पैसे होंगे वापस: मंत्रालय ने रीचेकिंग की फीस को नाममात्र कर दिया है। अब उत्तर पुस्तिका देखने के लिए 700 रुपये के बजाय मात्र 100 रुपये शुल्क देने होंगे। वहीं, सत्यापन के लिए 500 की जगह 100 रुपये देने होंगे। पुनर्मूल्यांकन के लिए प्रति प्रश्न शुल्क केवल 25 रुपये तय किया गया है। यदि अंक बढ़ते हैं, तो पूरी फीस वापस कर दी जाएगी।

19 मई से खुलेगी विंडो, ऐसे दर्ज कराएं आपत्ति : परीक्षा नियंत्रक संयम भारद्वाज ने पूरी प्रक्रिया की समय-सीमा साझा की है। 19 से 22 मई तक असंतुष्ट छात्र अपनी मूल्यांकित उत्तर पुस्तिकाओं की कापी प्राप्त करने को आवेदन कर सकते हैं। 26 से 29 मई तक यदि कापियों में कोई गड़बड़ी या अंक जोड़ने में गलती मिलती है, तो छात्र इस दूसरी विंडो के माध्यम से अपनी आपत्ति दर्ज करा सकते हैं, जिसे विशेषज्ञों का पैनल सुधारेगा।

त्रि-भाषा फार्मूले से विद्यार्थियों को मिलेगा वैश्विक आयाम

नई दिल्ली, प्रेट्रः शिक्षा को अधिक रोजगारपरक और वैश्विक जरूरतों के अनुरूप बनाने के उद्देश्य से सीबीएसई ने 2026-27 के शैक्षणिक सत्र से तीन-भाषा फार्मूला लागू कर दिया है। बोर्ड ने भाषा को भी कौशल विकास का महत्वपूर्ण हिस्सा मानते हुए कक्षा नौवीं से ही इस दिशा में पहल की है। सीबीएसई का मानना है कि नौवीं कक्षा से भाषाओं का अध्ययन शुरू होने पर छात्रों को उनमें बेहतर पकड़ बनाने के लिए पर्याप्त समय मिलेगा।

तीन-भाषा फार्मूले में भाषा चुनने की स्वतंत्रता : राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के तहत छात्रों को तीन भाषाएं सीखनी होंगी, जिनमें कम से कम दो भारतीय भाषाएं होना अनिवार्य है। यह व्यवस्था सरकारी और निजी दोनों विद्यालयों पर लागू होगी। राज्यों और छात्रों को अपनी आवश्यकता और सुविधा के अनुसार भाषाएं चुनने की स्वतंत्रता दी गई है।

तीन-भाषा फार्मूले की मांग पुरानी : तीन-भाषा फार्मूले का प्रस्ताव सबसे पहले कोठारी आयोग (1964-66), ने दिया था। इसे तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के कार्यकाल में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 1968 के तहत अपनाया गया। बाद में प्रधानमंत्री राजीव गांधी के समय राष्ट्रीय शिक्षा नीति 1986 में इसकी पुनः पुष्टि की गई और 1992 में नरसिम्हा राव सरकार ने इसमें संशोधन कर भाषाई विविधता और राष्ट्रीय एकता को बढ़ावा देने पर जोर दिया। इस फार्मूले में मातृभाषा या क्षेत्रीय भाषा, आधिकारिक भाषा तथा एक आधुनिक भारतीय या यूरोपीय भाषा को शामिल किया गया था।

- सीबीएसई की 2026-27 सत्र से कक्षा नौवीं से तीन भाषाओं की पढ़ाई लागू करने की पहल
- दो भारतीय और एक विदेशी भाषा सीखने से छात्रों को वैश्विक अवसरों में मिलेगी मदद

सीबीएसई की पहल का केवल तमिलनाडु में विरोध

- तीन-भाषा फार्मूला लंबे समय से तमिलनाडु में राजनीतिक विवाद का विषय रहा है। द्रमुक के नेतृत्व वाली राज्य सरकार और केंद्र सरकार के बीच इस पर मतभेद रहे हैं।
- तमिलनाडु ने ऐतिहासिक रूप से इस फार्मूले का विरोध किया है। वर्ष 1937 में सी राजगोपालाचारी के नेतृत्व वाली तत्कालीन मद्रास सरकार ने स्कूलों में हिंदी को अनिवार्य किया था, जिसके खिलाफ जस्टिस पार्टी और पेरियार जैसे द्रविड़ नेताओं ने व्यापक आंदोलन चलाया। वर्ष 1940 में यह नीति वापस ले ली गई, लेकिन हिंदी विरोधी भावना बनी रही।
- जब 1968 में तीन-भाषा फार्मूला लागू किया गया, तब भी तमिलनाडु ने इसे हिंदी थोपने का प्रयास बताते हुए विरोध किया।
- तमिलनाडु आज भी ऐसा एकमात्र राज्य है जिसने तीन-भाषा फार्मूले को लागू नहीं किया है और तमिल तथा अंग्रेजी को प्राथमिकता दी है।

नई शिक्षा नीति 2020 में मिला बढ़ावा : नई शिक्षा नीति 2020 विद्यालय स्तर से ही बहुभाषावाद को बढ़ावा देने को तीन-भाषा फार्मूले को शीघ्र लागू करने की बात करती है।

एनईपी के तहत भारतीय भाषाओं और अंग्रेजी के अलावा माध्यमिक स्तर के छात्र कोरियाई, जापानी, फ्रेंच, जर्मन और स्पेनिश भी सीख सकेंगे।

पाठ्यपुस्तकों को लेकर सीबीएसई स्पष्ट : सीबीएसई ने कहा है कि जब तक विशेष आर-3 पाठ्यपुस्तकें उपलब्ध नहीं हो जातीं, तब तक कक्षा नौवीं के छात्र चुनी गई भाषा के लिए कक्षा छह की आर-3 पाठ्यपुस्तकों (2026-27 संस्करण) का उपयोग करेंगे। जिन विद्यालयों में योग्य भारतीय भाषा के शिक्षक नहीं हैं, वहां उन शिक्षकों की सेवाएं ली जा सकती हैं, जिन्हें संबंधित भाषा का कार्यात्मक ज्ञान हो।

Advertorial

नईदुनिया सुमंगला सम्मान समारोह में 44 सफाईमित्र बहनों को किया सम्मानित

देश के स्वच्छतम शहर में जो हैं इंदौर की शान, हमने किया उनका सम्मान

महापौर पुष्यमित्र भार्गव, अपर आयुक्त प्रखर सिंह, एमआइसी सदस्य और स्वास्थ्य विभाग प्रभारी अश्विनी शुक्ला ने सफाई दीदियों को किया सम्मानित। ● प्रफुल्ल चौरसिया आशु

नईदुनिया सुमंगला सम्मान 2026
In Association with OMAXE Turning dreams into reality IWM

नईदुनिया प्रतिनिधि, इंदौर : देश के सबसे स्वच्छ शहर का तमगा पिछले आठ सालों से इंदौर के नाम पर है। यह उपलब्धि सफाईमित्रों की बदौलत मिली है, जो हमारे जागने से पहले शहरभर की सफाई से जुड़े कार्य में जुट जाते हैं। मगर इस काम में सबसे बड़ा ऊर्जा केंद्र हमारी सफाई मित्र बहनें हैं, क्योंकि वे दोहरी जिम्मेदारी निभाती हैं। अपने घरों का काम संभालने के साथ ही वे शहर को स्वच्छ बनाने में अपना मूल्य योगदान देती हैं। उनका सम्मान वास्तव में पूरे शहर का सम्मान है।

ममता दिनेश सम्मान करते महापौर पुष्यमित्र भार्गव । ● नईदुनिया

लक्ष्मी पत्नी मनोहर सम्मान करते अपर आयुक्त प्रखर सिंह । ● नईदुनिया

महत्वपूर्ण भूमिका यदि कोई है तो वह हमारी सफाई दीदियों की मेहनत।

यह बात मुख्य अतिथि महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने कहीं। शुक्रवार को होटल लेमन ट्री में नईदुनिया सुमंगला सम्मान आयोजित किया गया, जिसमें उन सफाईमित्र बहनों को सम्मानित किया गया, जिन्होंने पिछले साल पंचकुइया वाले नाले को साफ और सुंदर बनाने का कार्य किया था। कार्यक्रम में 44 सफाईमित्र बहनों को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। महापौर भार्गव ने कहा कि कार्यक्रम के माध्यम से सफाई मित्र बहनों का सम्मान किया गया था, जो पूरे शहर को सकारात्मक ऊर्जा देने का काम करेंगी। वे कहते हैं कि शहर को स्वच्छ बनाए रखने वाले इन सफाईमित्रों की समस्या भी सुनते हैं। वैसे मेरा प्रयास रहता है कि हर महीने या पंद्रह दिन में एक बार किसी न किसी क्षेत्र में जाकर हमारी सफाई मित्र बहनों के साथ समय बिताऊं और उनके साथ चाय पीता हूं, पोहे की पार्टी करता हूं। निरंतर संवाद करने पर तब वे अपनी तकलीफें, काम से जुड़ी समस्याएं, बच्चों की पढ़ाई और कई सुझाव हमारे साथ साझा करती हैं। कार्यक्रम में एमआइसी सदस्य अश्विनी शुक्ला, अपर आयुक्त प्रखर सिंह, ओमेक्स के प्रेसिडेंट विनीत शर्मा, इंटरनेशनल वेस्ट मैनेजमेंट प्रा. लि. राधिका पाटीदार और मनोज बत्रा को भी सम्मानित किया गया। उपहार साबु ट्रेड और 420 अग्रवाल ग्रुप की तरफ रखे गए। संचालन स्वाति शर्मा ने किया गया।

महापौर पुष्यमित्र भार्गव

> शहर को स्वच्छ रखने में सबसे महत्वपूर्ण भूमिका यदि कोई है तो वह हमारी सफाई दीदियों की मेहनत है। हमारे सारे साधन और संसाधन सिर्फ उनके सहयोग के लिए हैं। सड़कें, गली-मोहल्ले, गार्डन साफ दिखाई नहीं देंगे, तब तक व्यवस्था का अर्थ नहीं है। - **प्रखर सिंह**, अपर आयुक्त

DND FLYWAY
NOIDA TOLL BRIDGE

नोएडा टोल ब्रिज कंपनी लिमिटेड

पंजीकृत कार्यालयः टोल प्लाजा, मयूर विहार लिंक रोड, नई दिल्ली – 110091
फोनः 0120 2516495 | ई-मेलः ntbcl@ntbcl.com | वेबसाइटः www.ntbcl.com
सीआईएनः L45101DL1996PLC315772

Noida Toll Bridge Co. Ltd.

31 मार्च, 2026 को समाप्त तिमाही और वर्ष के लिए लेखापरीक्षित वित्तीय परिणामों का विवरण

(रु. लाख में)

क्र. सं.	विवरण	स्टैंडअलोन					समेकित				
		समाप्त तिमाही			समाप्त वर्ष		समाप्त तिमाही			समाप्त वर्ष	
		31.03.2026	31.12.2025	31.03.2025	31.03.2026	31.03.2025	31.03.2026	31.12.2025	31.03.2025	31.03.2026	31.03.2025
		लेखापरीक्षित	अलेखापरीक्षित	लेखापरीक्षित	लेखापरीक्षित	लेखापरीक्षित	लेखापरीक्षित	अलेखापरीक्षित	लेखापरीक्षित	लेखापरीक्षित	लेखापरीक्षित
1	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)	(10)	(11)	(12)
I	परिचालनों से कुल आय	1,270.87	2,327.97	1,093.76	5,873.44	4,260.16	1,271.71	2,328.10	1,093.96	5,883.72	4,261.11
II	कराधान पूर्व अवधि हेतु लाभ / (हानि)	390.28	1,522.79	409.50	2,714.10	(24,429.29)	382.98	1,552.90	404.75	2,727.22	(24,422.18)
III	सतत परिचालनों से निवल लाभ / (हानि)	390.28	1,522.79	409.50	2,714.10	(24,429.29)	384.81	1,547.85	405.73	2,723.80	(24,418.58)
IV	वर्ष हेतु कुल अन्य व्यापक आय	(0.49)	0.22	(0.94)	0.16	1.99	(0.45)	0.41	(0.11)	0.79	0.91
V	वर्ष हेतु कुल व्यापक आय	389.79	1,523.01	408.56	2,714.26	(24,427.30)	384.36	1,548.26	405.62	2,724.59	(24,417.67)
VI	प्रदत्त इक्विटी शेयर पूंजी (रु. 10 अंकित मूल्य)	18,619.50	18,619.50	18,619.50	18,619.50	18,619.50	18,619.50	18,619.50	18,619.50	18,619.50	18,619.50
VII	आरक्षिति (पुनर्मूल्यांकन आरक्षिति को छोड़कर जैसा कि गत वर्ष के तुलनपत्र में प्रदर्शित है)	अप्रयोज्य	अप्रयोज्य	अप्रयोज्य	(19,891.92)	(22,606.18)	अप्रयोज्य	अप्रयोज्य	अप्रयोज्य	(19,879.27)	(22,598.81)
VIII	आय प्रति शेयर (रु.)										
	बेसिक	0.21	0.82	0.22	1.46	(13.12)	0.21	0.83	0.22	1.46	(13.11)
	डाइल्यूटेड	0.21	0.82	0.22	1.46	(13.12)	0.21	0.83	0.22	1.46	(13.11)

वित्तीय परिणामों की टिप्पणियां :

1. उपरोक्त परिणामों की समीक्षा लेखापरीक्षा समिति द्वारा की गई है और 15 मई, 2026 को आयोजित अपनी बैठक में निदेशक मंडल द्वारा इन्हें अनुमोदित किया गया है।
2. उपरोक्त विवरण सेबी (सूचीबद्धता दायित्व और प्रकटीकरण आवश्यकताएँ) विनियमन, 2015 के विनियमन 33 के अंतर्गत स्टॉक एक्सचेंजों में दाखिल तिमाही के वित्तीय परिणामों के विस्तृत विवरण का एक अंश है। पूर्ण तिमाही वित्तीय परिणाम कंपनी, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया और बीएसई लिमिटेड की वेबसाइट क्रमशः **www.ntbcl.com, www.nseindia.com** और **www.bseindia.com** पर उपलब्ध हैं।

कृते एवं हिते निदेशक मंडल

धीरज कुमार
सीईओ और कार्यकारी निदेशक
डीआईएन संख्याः 07046151

अमित अग्रवाल
मुख्य वित्तीय अधिकारी

स्थानः नोएडा
तिथिः 15 मई, 2026

डीएनडी के 25 वर्ष पूरे होने पर
अध्यक्ष का संदेश

प्रिय हितधारकों,

इस वर्ष डीएनडी के संचालन के 25 वर्ष पूरे हो रहे हैं जो एक ऐसा मार्ग है जिसने हर यात्रा के साथ लाखों यात्रियों को उनकी आकांक्षाओं और उपलब्धियों के बीच की दूरी को समाप्त करने में मदद की है।

एक चौथाई सदी से, डीएनडी यमुना नदी पर बने एक साधारण पुल से कहीं बढ़कर सिद्ध हुआ है। यह गतिशीलता, अवसरों और प्रगति का प्रतीक बन गया है।

इस महत्वपूर्ण पड़ाव पर, मैं आप में से प्रत्येक का हार्दिक आभार व्यक्त करता हूँ कि आप इस यात्रा का हिस्सा बने।

इस फ्लाईवे को जिस विशाल पैमाने, इंजीनियरिंग दृष्टिकोण और दीर्घकालिक उपयोगिता को ध्यान में रखकर डिजाइन किया गया था, वह आज 25 वर्षों बाद भी इस क्षेत्र की आवागमन संबंधी आवश्यकताओं को संपूर्ण कुशलता के साथ पूरा कर रहा है।

हालाँकि, हमारी यह यात्रा चुनौतियों से परे नहीं रही है। पिछले कुछ वर्षों में हुई अप्रत्याशित घटनाओं ने परियोजना के आर्थिक पहलुओं पर प्रभाव डाला और सभी हितधारकों के धैर्य की परीक्षा ली। इन अनुभवों से हमें कई महत्वपूर्ण सबक भी मिले, और हमारा मानना है कि ये सबक भविष्य में अवसंरचना से जुड़ी साझेदारियों के लिए और भी सशक्त ढाँचा तैयार करने में सहायक सिद्ध होंगे।

इन चुनौतियों के बावजूद, डीएनडी फ्लाईवे को बेहतरीन मानकों के अनुरूप बनाए रखने के प्रति कंपनी की प्रतिबद्धता हमेशा अडिग रही है।

कंपनी यात्रियों की सुरक्षा, यात्रा के अनुभव की गुणवत्ता, ढाँचे के रखरखाव और परिचालन की विश्वसनीयता को लगातार अपनी सर्वोच्च प्राथमिकता देती रही है। पिछले कुछ वर्षों में, विशेष रूप से जैसे-जैसे ब्रिज पुराना होता गया है, एनटीबीसीएल ने पूरी सक्रियता और निरंतरता के साथ इसे और अधिक मजबूत बनाने तथा इसके रखरखाव से जुड़े अन्य महत्वपूर्ण कार्य किए हैं, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि डीएनडी, दिल्ली और नोएडा के बीच आवागमन के सबसे पसंदीदा मार्गों में से एक बना रहे।

ये निरंतर प्रयास, इस अत्यंत महत्वपूर्ण शहरी आवागमन मार्ग की गुणवत्ता, विश्वसनीयता और परिचालन उत्कृष्टता को बनाए रखने के प्रति कंपनी की दशकों पुरानी प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं।

एनसीआर में कनेक्टिविटी इंफ्रास्ट्रक्चर में अभूतपूर्व विस्तार देखने को मिल रहा है – जिसमें एक्सप्रेसवे का एकीकरण, मल्टीमॉडल ट्रांसपोर्ट कॉरिडोर, क्षेत्रीय गतिशीलता में सुधार और उभरते आर्थिक केंद्रों की ओर बेहतर कनेक्टिविटी शामिल है। ये सभी आने वाले वर्षों में इस क्षेत्र में यात्रियों के आवागमन को नया रूप देंगे।

इस लगातार विकसित हो रहे मोबिलिटी इकोसिस्टम में, डीएनडी एक अनोखी स्थिति में हैय यह एनसीआर भर में समुदायों, व्यवसायों और विकास केंद्रों को जोड़ने वाली एक महत्वपूर्ण शहरी मुख्य मार्ग के रूप में अपनी भूमिका बनाए रखेगा।

हमारे सम्मानित शेयरधारकों, हम आपको यह आश्वासन देना चाहते हैं कि बोर्ड और प्रबंधन ने पिछले अनेक वर्षों से आपकी चिंताओं, सुझावों और प्रतिक्रिया पर हमेशा पूरा ध्यान दिया है।

हमारे शेयरधारकों द्वारा साझा की गई हर पूछताछ, प्रस्ताव और सुझाव को हम केवल एक टिप्पणी के रूप में नहीं, बल्कि आत्म-निरीक्षण और मूल्यांकन के एक अवसर के रूप में देखते हैं। यह हमें लगातार इस बात की जाँच करने के लिए प्रेरित करता है कि क्या कोई अतिरिक्त उपाय, रणनीतिक पहल या परिचालन सुधार किए जा सकते हैं, ताकि कंपनी में आपके निवेश के दीर्घकालिक मूल्य में वृद्धि की जा सके और उस पर मिलने वाले रिटर्न में सुधार किया जा सके।

DND FLYWAY
२००१ से लोगों को जोड़ते हुए

यद्यपि कंपनी की यात्रा के विभिन्न चरणों में कुछ नियामक और संविदात्मक बाधाओं ने हमारे लिए उपलब्ध विकल्पों को सीमित किया है, फिर भी भारत को को जोड़ने वाली एक कुशल इंफ्रास्ट्रक्चर फर्म के रूप में योगदान करने की हमारी प्रतिबद्धता अटूट बनी हुई है।

जैसे-जैसे हम आगे बढ़ रहे हैं, हम विवेक और जिम्मेदारी के साथ सभी व्यवहार्य संभावनाओं का निरंतर मूल्यांकन कर रहे हैं, और साथ ही कंपनी के दीर्घकालिक हितों की रक्षा करने तथा अपने हितधारकों के लिए सतत मूल्य सृजित करने पर अपना ध्यान केंद्रित किए हुए हैं।

एक बार पुनः, बोर्ड की ओर से, मैं इन 25 वर्षों के दौरान आपके निरंतर विश्वास, भरोसे और समर्थन के लिए आपको धन्यवाद देता हूँ।

सादर,

नंद किशोर

अध्यक्ष

एनटीबीसीएल

advt@ilfsindia.com

एनसीआर में मेट्रो मंडे आज, दिल्ली सरकार ने ट्रेनों संग बढ़ाए अतिरिक्त फेरे

- छह अतिरिक्त मेट्रो लगाएंगी 18 फेरे, डीटीसी की आज सभी बसें होंगी सड़कों पर
- सरकारी कर्मचारियों की 29 कालोनियों से मेट्रो तक लाने के लिए लगेंगी 58 बसें

राज्य ब्यूरो, जागरण • नई दिल्ली: प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की ईंधन बचाने की अपील पर दिल्ली सरकार द्वारा घोषित पहला मेट्रो मंडे आज है। दिल्ली सरकार ने जिस तरह से मेट्रो मंडे का प्रचार किया है और आम लोगों ने भी अपना निजी वाहन छोड़कर सार्वजनिक परिवहन सेवा का उपयोग करने का अनुरोध किया है, इससे मेट्रो में यात्रियों की भीड़ बनने की संभावना है। इसे देखते हुए डीएमआरसी सोमवार को अतिरिक्त छह मेट्रो चलाएगी जो अतिरिक्त फेरे लगाएंगी। डीटीसी की सभी 6300 बसें सड़कों पर होंगी। वहीं 29 सरकारी कालोनियों से कर्मचारियों को मेट्रो स्टेशन तक लाने के लिए 58 बसों को लगाया गया है। मकसद यह है कि कर्मचारी और अधिकारी अपनी कालोनी से मेट्रो तक आराम से पहुंच सकें और मेट्रो से सफर करें। आम जनता से भी सरकार ने अपील की है कि वे भी अभियान में पूरी तरह साथ दें। मेट्रो मंडे में अधिकारियों के साथ-साथ दिल्ली सरकार के मंत्रियों के भी मेट्रो में सफर करने की संभावना है।

प्रधानमंत्री की अपील और दिल्ली सरकार के घोषित मंडे मेट्रो को देखते हुए डीएमआरसी ने सोमवार को फेरे बढ़ाने सहित कई जनहितकारी फैसले लिए हैं। डीएमआरसी 18 मई से प्रत्येक सोमवार को छह अतिरिक्त ट्रेनों से 24 अतिरिक्त ट्रेन फेरे चलाएगी। अन्य दिनों में भी आवश्यकतानुसार फेरे बढ़ाए जाएंगे। हर सोमवार को अतिरिक्त सुरक्षाकर्मी तैनात करेगी। टिकटिंग की सुविधा बढ़ाई जाएगी और लास्ट-माइल कनेक्टिविटी सर्विस को मजबूत किया जाएगा। ज्यादा से ज्यादा लोगों में सार्वजनिक वाहनों को बढ़ावा देने के मकसद से कई अन्य कदम भी उठाए जाएंगे। भीड़ को संभालने को अतिरिक्त सुरक्षा स्टाफ तैनाती संग अतिरिक्त टिकट काउंटर खोले जाएंगे, अतिरिक्त डोर फ्रेम मेटल डिटेक्टर व बैगेज स्कैनर चालू किए जाएंगे।

जौनपुर से बालक को अगवा कर भागा आरोपित फंदे पर लटका मिला, जांच कर रही पुलिस

जासं, प्रतापगढ़ : सात साल के बच्चे को जौनपुर से अगवा करके भागा आरोपित प्रतापगढ़ में फंदे पर मृत लटका पाया गया। वहीं इससे पहले अगवा किया गया बच्चा 300 मीटर दूर अचेत मिला।

देर शाम तक यह स्पष्ट नहीं हो सका था कि इतनी दूर से आकर आरोपित दूसरे जिले में पेड़ से फंदे पर कैसे झूल सकता है। पुलिस जांच कर रही है। जौनपुर के मुंगरा बादशाहपुर के चंद्रभान पटेल का सात वर्षीय बेटा ऋषि पटेल शनिवार सुबह अपने स्कूल गया था। स्कूल से ही उसके गांव का 22 वर्षीय युवक कमलेश पटेल उसे बहाने से ले गया और फिर उसे लेकर गायब हो गया।

सावधान ! छुट्टियों में घूमने का मजा किरकिरा न कर दें साइबर ठग

2025 में भारतीयों ने साइबर धोखाधड़ी में 22,495 करोड़ गंवाए, इनमें पर्यटक भी शामिल

स्वदेश कुमार • जागरण

47 % भारतीय पर्यटक खुद ठगी के शिकार हुए या वे उनके संपर्क में हैं जिनसे ठगी हुई

21 प्रतिशत लोगों ने होटलों के लिए एडवांस बुकिंग राशि चुका दी, जो मौजूद ही नहीं थे

53 प्रतिशत पीड़ितों को सीधे तौर पर भारी वित्तीय नुकसान उठाना पड़ा

20 प्रतिशत पीड़ितों ने 40,000 रुपये से अधिक की रकम गंवाई

नई दिल्ली: स्कूलों में गर्मी की छुट्टियों के साथ ही अगर आप भी परिवार के साथ हिल स्टेशन और अन्य पर्यटन स्थलों पर घूमने की योजना बना रहे हैं तो सावधान रहना जरूरी है, क्योंकि ऐसे मौकों पर साइबर ठग भी सक्रिय हो जाते हैं। सस्ते टूर पैकेज, फाइव-स्टार होटल में भारी छूट और कौड़ियों के दाम पर हवाई टिकट का लालच देकर ये आपके बैंक खाते को खाली कर सकते हैं। ये ठग मशहूर ट्रैवल कंपनियों जैसे मेकमाईट्रिप, ईजीमाईट्रिप या बुकिंग डाट काम से मिलती-जुलती फर्जी वेबसाइट बना लेते हैं और लोग असली-नकली में फर्क नहीं कर पाते हैं। लिंक पर क्लिक करते ही विवरण साइबर ठगों तक पहुंच जाता है। यही नहीं, गूगल सर्च पर जब लोग किसी एयरलाइन या होटल का हेल्पलाइन नंबर ढूंढते हैं, तो कई बार सर्च रिजल्ट में सबसे ऊपर साइबर ठगों के नंबर दिखते हैं। बात करने पर वे खुद को कंपनी का प्रतिनिधि बताकर एडवांस पेमेंट मांग लेते हैं। पैसे लेने के बाद ठग आपको एक फर्जी ई-टिकट या होटल वाउचर भेज देते हैं। जब आप एयरपोर्ट या होटल पहुंचते हैं, तब पता चलता है कि आपके नाम की कोई बुकिंग ही नहीं है।

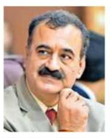

डा. पवन दुग्गल •

छूट के वाट्सएप मैसेज, थर्ड पार्टी वेबसाइटों के संदेशों के लालच में न आएं। ऐसे आफर की जानकारी मिलते ही संबंधित होटल की अधिकृत वेबसाइट पर जाएं। -अजय अग्रवाल, अध्यक्ष, होटल महासंघ दिल्ली

केंद्रीय गृह मंत्रालय के तहत काम करने वाले भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र (आइ4सी) और हालिया रिपोर्ट्स के आंकड़े बताते हैं कि देश में डिजिटल ठगी महामारी का रूप ले चुकी है। इसके अनुसार, वर्ष 2025 में भारतीयों ने साइबर धोखाधड़ी में करीब 22,495 करोड़ गंवाए, जो 2024 की तुलना में 24 प्रतिशत से अधिक है। नेशनल साइबर क्राइम रिपोर्टिंग पोर्टल पर वर्ष 2025 में 28.15 लाख से अधिक मामले दर्ज किए गए।

वर्तमान आइटी एक्ट हाईटेक खतरे से निपटने में नाकाम : साइबर कानून विशेषज्ञ और सुप्रीम कोर्ट के अधिवक्ता डा. पवन दुग्गल का कहना है कि आधुनिक पर्यटन घोटाले अब किसी गांव या कस्बे से चलने वाली छोटी-मोटी धोखाधड़ी नहीं हैं। यह सीमा पार से संचालित होने वाला एक संगठित और एआइ आधारित नेटवर्क है। ठग अब फर्जी बुकिंग पोर्टल, क्लोन की गई वेबसाइट्स, डीपफेक ट्रैवल एजेंट और एआइ-जेनरेटेड फर्जी टूर प्लान का इस्तेमाल कर रहे हैं। जांच में सामने आया कि सिर्फ एक संगठित गैंग ने होटलों की नकली वेबसाइट बनाकर 83 लोगों से 13 लाख से अधिक ठग लिए। देश का वर्तमान सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम, 2000 इस हाईटेक खतरे से निपटने के लिए पूरी तरह नाकाफी है। जरूरत इस बात की है कि डिजिटल पर्सनल डाटा प्रोटेक्शन एक्ट, 2023 के तहत देश में एक समर्पित 'टूरिज्म साइबर सिक्योरिटी एंड कंज्यूमर प्रोटेक्शन फ्रेमवर्क' तुरंत लागू किया जाए। पर्यटन मंत्रालय, इलेक्ट्रानिक्स एवं आइटी मंत्रालय और आरबीआइ को मिलकर एक 'टूरिज्म फ्राड मिटिगेशन प्रोटोकाल बनाना चाहिए।

बचने के लिए अपनाएं उपाय :

- किसी भी ट्रैवल वेबसाइट पर जाने से पहले उसका वेब एड्रेस जरूर चेक करें। हमेशा देखें कि एड्रेस https:// से शुरू हो रहा हो (जिसमें 's' का मतलब सुरक्षित होता है)। स्पेलिंग में हेरफेर को ध्यान से पकड़ें।
- होटल या फ्लाइट की बुकिंग हमेशा आफिशियल वेबसाइट या गूगल प्ले स्टोर/एपल के एप स्टोर से डाउनलोड किए गए आधिकारिक एप से ही करें। किसी अनजान लिंक पर क्लिक करके पेमेंट न करें।

ठगी होने पर क्या करें

गोल्डन आवर का फायदा उठाएं: यदि आपके साथ कोई वित्तीय धोखाधड़ी हुई है, तो बिना समय गंवाए तुरंत केंद्रीय साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर फोन करें। घटना के तुरंत बाद शिकायत करने से पैसे ब्लाक होने की संभावना बढ़ जाती है। आप गृह मंत्रालय के आधिकारिक पोर्टल www.cybercrime.gov.in पर जाकर भी अपनी शिकायत दर्ज करा सकते हैं।

बैंक को दें सूचना: अपने बैंक को तुरंत सूचित कर कार्ड या अकाउंट को ब्लाक करवाएं।

अस्पताल के गेट पर डिलीवरी, स्टाफ नर्स सहित दो निलंबित

जासं, फरीदाबाद : सेक्टर-तीन के प्रजनन एवं स्वास्थ्य शिशु केंद्र (एफआरयू-दो) के गेट पर डिलीवरी मामले में स्टाफ नर्स राखी और चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारी सुखबीर को निलंबित कर दिया गया है। यह दोनों राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत अस्पताल में कार्यरत थे। स्वास्थ्य निदेशक (मदर एंड चाइल्ड) डा. वीरेंद्र यादव की जांच में दोनों की लापरवाही सामने आई। इसके बाद दोनों को निलंबित कर दिया गया है। अस्पताल के गेट पर 15-16 मई की रात करीब 1:30 बजे डिलीवरी से स्वास्थ्य विभाग में हड़कंप मच गया। मामले पर प्रदेश की स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव ने संज्ञान लिया और निदेशक डा. वीरेंद्र यादव को मौके पर जांच के लिए भेजा। उन्होंने गर्भवती के स्वजन और अन्य स्टाफ से भी पूछताछ की। साथ ही स्वजन द्वारा रिकार्ड किए गए वीडियो को भी देखा। उन्होंने सीएमओ डा. जयंत आहूजा और डिप्टी सीएमओ डा. रचना की अध्यक्षता में कमेटी का गठन किया।

यह है पूरा मामला : गर्भवती महिला बलेश को लेकर देवर चमन चंदीला रात के करीब 1.30 बजे एफआरयू-दो पहुंचे थे। लेकिन यहां ओपीडी का दरवाजा बंद था। इमरजेंसी में भी कोई नहीं स्टाफ नहीं मिला। गर्भवती की प्रसव पीड़ा बढ़ रही थी। करीब 20 मिनट तक अस्पताल की ओर से कोई मदद नहीं मिली। इसी बीच बच्चे का जन्म हो गया। जच्चा और बच्चा को सास ने संभाला। महिला से स्वजन द्वारा स्टाफ नहीं होने का कारण पूछने पर चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारी सुखबीर और नर्स राखी ने दुर्व्यवहार किया था।

DND FLYWAY
NOIDA TOLL BRIDGE

नोएडा टोल ब्रिज कंपनी लिमिटेड

Noida Toll Bridge Co. Ltd.

पंजीकृत कार्यालय: टोल प्लाजा, मयूर विहार लिंक रोड, नई दिल्ली – 110091
फोन: 0120 2516495 | ई-मेल: ntbcl@ntbcl.com | **वेबसाइट:** www.ntbcl.com
सीआईएन: L45101DL1996PLC315772

31 मार्च, 2026 को समाप्त तिमाही और वर्ष के लिए लेखापरीक्षित वित्तीय परिणामों का विवरण

(रु. लाख में)

क्र. सं.	विवरण	स्टैंडअलोन					समेकित				
		समाप्त तिमाही			समाप्त वर्ष		समाप्त तिमाही			समाप्त वर्ष	
		31.03.2026	31.12.2025	31.03.2025	31.03.2026	31.03.2025	31.03.2026	31.12.2025	31.03.2025	31.03.2026	31.03.2025
		लेखापरीक्षित	अलेखापरीक्षित	लेखापरीक्षित	लेखापरीक्षित	लेखापरीक्षित	लेखापरीक्षित	अलेखापरीक्षित	लेखापरीक्षित	लेखापरीक्षित	लेखापरीक्षित
1	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)	(10)	(11)	(12)
I	परिचालनों से कुल आय	1,270.87	2,327.97	1,093.76	5,873.44	4,260.16	1,271.71	2,328.10	1,093.96	5,883.72	4,261.11
II	कराधान पूर्व अवधि हेतु लाभ/(हानि)	390.28	1,522.79	409.50	2,714.10	(24,429.29)	382.98	1,552.90	404.75	2,727.22	(24,422.18)
III	सतत परिचालनों से निवल लाभ/(हानि)	390.28	1,522.79	409.50	2,714.10	(24,429.29)	384.81	1,547.85	405.73	2,723.80	(24,418.58)
IV	वर्ष हेतु कुल अन्य व्यापक आय	(0.49)	0.22	(0.94)	0.16	1.99	(0.45)	0.41	(0.11)	0.79	0.91
V	वर्ष हेतु कुल व्यापक आय	389.79	1,523.01	408.56	2,714.26	(24,427.30)	384.36	1,548.26	405.62	2,724.59	(24,417.67)
VI	प्रदत्त इक्विटी शेयर पूंजी (रु. 10 अंकित मूल्य)	18,619.50	18,619.50	18,619.50	18,619.50	18,619.50	18,619.50	18,619.50	18,619.50	18,619.50	18,619.50
VII	आरक्षिति (पुनर्मूल्यांकन आरक्षिति को छोड़कर जैसा कि गत वर्ष के तुलनपत्र में प्रदर्शित है)	अप्रयोज्य	अप्रयोज्य	अप्रयोज्य	(19,891.92)	(22,606.18)	अप्रयोज्य	अप्रयोज्य	अप्रयोज्य	(19,879.27)	(22,598.81)
VIII	आय प्रति शेयर (रु.)										
	बेसिक	0.21	0.82	0.22	1.46	(13.12)	0.21	0.83	0.22	1.46	(13.11)
	डाइल्यूटेड	0.21	0.82	0.22	1.46	(13.12)	0.21	0.83	0.22	1.46	(13.11)

वित्तीय परिणामों की टिप्पणियां :

1. उपरोक्त परिणामों की समीक्षा लेखापरीक्षा समिति द्वारा की गई है और 15 मई, 2026 को आयोजित अपनी बैठक में निदेशक मंडल द्वारा इन्हें अनुमोदित किया गया है।
2. उपरोक्त विवरण सेबी (सूचीबद्धता दायित्व और प्रकटीकरण आवश्यकताएँ) विनियमन, 2015 के विनियमन 33 के अंतर्गत स्टॉक एक्सचेंजों में दाखिल तिमाही के वित्तीय परिणामों के विस्तृत विवरण का एक अंश है। पूर्ण तिमाही वित्तीय परिणाम कंपनी, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया और बीएसई लिमिटेड की वेबसाइट क्रमशः **www.ntbcl.com, www.nseindia.com** और **www.bseindia.com** पर उपलब्ध हैं।

कृते एवं हिते निदेशक मंडल

धीरज कुमार
सीईओ और कार्यकारी निदेशक
डीआईएन संख्या: 07046151

अमित अग्रवाल
मुख्य वित्तीय अधिकारी

स्थान: नोएडा
तिथि: 15 मई, 2026

डीएनडी के 25 वर्ष पूरे होने पर अध्यक्ष का संदेश

प्रिय हितधारकों,

इस वर्ष डीएनडी के संचालन के 25 वर्ष पूरे हो रहे हैं जो एक ऐसा मार्ग है जिसने हर यात्रा के साथ लाखों यात्रियों को उनकी आकांक्षाओं और उपलब्धियों के बीच की दूरी को समाप्त करने में मदद की है।

एक चौथाई सदी से, डीएनडी यमुना नदी पर बने एक साधारण पुल से कहीं बढ़कर सिद्ध हुआ है। यह गतिशीलता, अवसरों और प्रगति का प्रतीक बन गया है।

इस महत्वपूर्ण पड़ाव पर, मैं आप में से प्रत्येक का हार्दिक आभार व्यक्त करता हूँ कि आप इस यात्रा का हिस्सा बने।

इस फ्लाईवे को जिस विशाल पैमाने, इंजीनियरिंग दृष्टिकोण और दीर्घकालिक उपयोगिता को ध्यान में रखकर डिजाइन किया गया था, वह आज 25 वर्षों बाद भी इस क्षेत्र की आवागमन संबंधी आवश्यकताओं को संपूर्ण कुशलता के साथ पूरा कर रहा है।

हालाँकि, हमारी यह यात्रा चुनौतियों से परे नहीं रही है। पिछले कुछ वर्षों में हुई अप्रत्याशित घटनाओं ने परियोजना के आर्थिक पहलुओं पर प्रभाव डाला और सभी हितधारकों के धैर्य की परीक्षा ली। इन अनुभवों से हमें कई महत्वपूर्ण सबक भी मिले, और हमारा मानना है कि ये सबक भविष्य में अवसंरचना से जुड़ी साझेदारियों के लिए और भी सशक्त ढाँचा तैयार करने में सहायक सिद्ध होंगे।

इन चुनौतियों के बावजूद, डीएनडी फ्लाईवे को बेहतरीन मानकों के अनुरूप बनाए रखने के प्रति कंपनी की प्रतिबद्धता हमेशा अडिग रही है।

कंपनी यात्रियों की सुरक्षा, यात्रा के अनुभव की गुणवत्ता, ढाँचे के रखरखाव और परिचालन की विश्वसनीयता को लगातार अपनी सर्वोच्च प्राथमिकता देती रही है। पिछले कुछ वर्षों में, विशेष रूप से जैसे-जैसे ब्रिज पुराना होता गया है, एनटीबीसीएल ने पूरी सक्रियता और निरंतरता के साथ इसे और अधिक मजबूत बनाने तथा इसके रखरखाव से जुड़े अन्य महत्वपूर्ण कार्य किए हैं, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि डीएनडी, दिल्ली और नोएडा के बीच आवागमन के सबसे पसंदीदा मार्गों में से एक बना रहे।

ये निरंतर प्रयास, इस अत्यंत महत्वपूर्ण शहरी आवागमन मार्ग की गुणवत्ता, विश्वसनीयता और परिचालन उत्कृष्टता को बनाए रखने के प्रति कंपनी की दशकों पुरानी प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं।

एनसीआर में कनेक्टिविटी इंफ्रास्ट्रक्चर में अभूतपूर्व विस्तार देखने को मिल रहा है – जिसमें एक्सप्रेसवे का एकीकरण, मल्टीमॉडल ट्रांसपोर्ट कॉरिडोर, क्षेत्रीय गतिशीलता में सुधार और उभरते आर्थिक केंद्रों की ओर बेहतर कनेक्टिविटी शामिल है। ये सभी आने वाले वर्षों में इस क्षेत्र में यात्रियों के आवागमन को नया रूप देंगे।

इस लगातार विकसित हो रहे मोबिलिटी इकोसिस्टम में, डीएनडी एक अनोखी स्थिति में हैय यह एनसीआर भर में समुदायों, व्यवसायों और विकास केंद्रों को जोड़ने वाली एक महत्वपूर्ण शहरी मुख्य मार्ग के रूप में अपनी भूमिका बनाए रखेगा।

हमारे सम्मानित शेयरधारकों, हम आपको यह आश्वासन देना चाहते हैं कि बोर्ड और प्रबंधन ने पिछले अनेक वर्षों से आपकी चिंताओं, सुझावों और प्रतिक्रिया पर हमेशा पूरा ध्यान दिया है।

हमारे शेयरधारकों द्वारा साझा की गई हर पूछताछ, प्रस्ताव और सुझाव को हम केवल एक टिप्पणी के रूप में नहीं, बल्कि आत्म-निरीक्षण और मूल्यांकन के एक अवसर के रूप में देखते हैं। यह हमें लगातार इस बात की जाँच करने के लिए प्रेरित करता है कि क्या कोई अतिरिक्त उपाय, रणनीतिक पहल या परिचालन सुधार किए जा सकते हैं, ताकि कंपनी में आपके निवेश के दीर्घकालिक मूल्य में वृद्धि की जा सके और उस पर मिलने वाले रिटर्न में सुधार किया जा सके।

यद्यपि कंपनी की यात्रा के विभिन्न चरणों में कुछ नियामक और संविदात्मक बाधाओं ने हमारे लिए उपलब्ध विकल्पों को सीमित किया है, फिर भी भारत को को जोड़ने वाली एक कुशल इंफ्रास्ट्रक्चर फर्म के रूप में योगदान करने की हमारी प्रतिबद्धता अटूट बनी हुई है।

जैसे-जैसे हम आगे बढ़ रहे हैं, हम विवेक और जिम्मेदारी के साथ सभी व्यवहार्य संभावनाओं का निरंतर मूल्यांकन कर रहे हैं, और साथ ही कंपनी के दीर्घकालिक हितों की रक्षा करने तथा अपने हितधारकों के लिए सतत मूल्य सृजित करने पर अपना ध्यान केंद्रित किए हुए हैं।

एक बार पुनः, बोर्ड की ओर से, मैं इन 25 वर्षों के दौरान आपके निरंतर विश्वास, भरोसे और समर्थन के लिए आपको धन्यवाद देता हूँ।

सादर,
नंद किशोर
अध्यक्ष
एनटीबीसीएल

DND FLYWAY
२००१ से लोगों को जोड़ते हुए

advt@ilfsindia.com

CLOSE WATCH

Marcelo de Oliveira Souza, a scientist based in Brazil, has identified asteroid-inspired trajectories that could cut Mars round trips to 153 days by 2031, potentially halving current mission timelines using next-generation rocket technology

SCIENCE OF THE TIMES

QUICK QUIZ

An Italian luxury watchmaker recently unveiled a timepiece built using a dense, corrosion-resistant metal which is used to make nuclear control rods. This is the first watch in history to use this material. Name this metal. Send answers to **scienceofthetimes@timesofindia.com**

Breakthroughs From Around The World

AI CAN DETECT CANCER 3 YEARS SOONER: STUDY

Researchers led by Ajit Goenka, a radiologist at the Mayo Clinic in the US, have developed an AI model that spots pancreatic cancer up to three years before doctors typically detect tumours on CT scans. Published in the journal 'Gut', the study analysed 2,000 previously cleared scans and identified subtle pancreatic changes linked to future cancer cases. The tool correctly flagged 73% of early-stage cancers. "... it's mathematics. It converts that [scan] into a mathematical representation and extracts those mathematical features," Goenka tells 'Live Science'. Independent expert Tatjana Crnogorac-Jurcevic of Queen Mary University of London calls the findings "extremely promising" for high-risk patients.

'WATER BATTERY' THAT LASTS NEARLY 300 YEARS

Researchers in China have developed a non-toxic water-based battery that could last nearly 300 years, far longer than conventional lithium-ion (Li-ion) systems used for grid-scale energy storage. Published in 'Nature Communications', the study uses specially designed covalent organic polymers to create an aqueous battery capable of surviving 1.20 lakh charge cycles — 10 times the lifespan of a Li-ion battery — without major degradation. The researchers say the battery's neutral electrolyte, maintained at a pH of 7, is safe enough to be discarded directly into the environment. "The latest breakthrough aims to address these shortcomings with a chemical composition that is both nontoxic and highly efficient in the long term," the researchers write in the study.

Study Finds That Urban Cooling Remains Weakest In Poorer, Hottest Regions Of The World

Trees Cut Extra City Heat By Half, But Not Quite Where Most Needed

Seth Borenstein

Adobe Stock

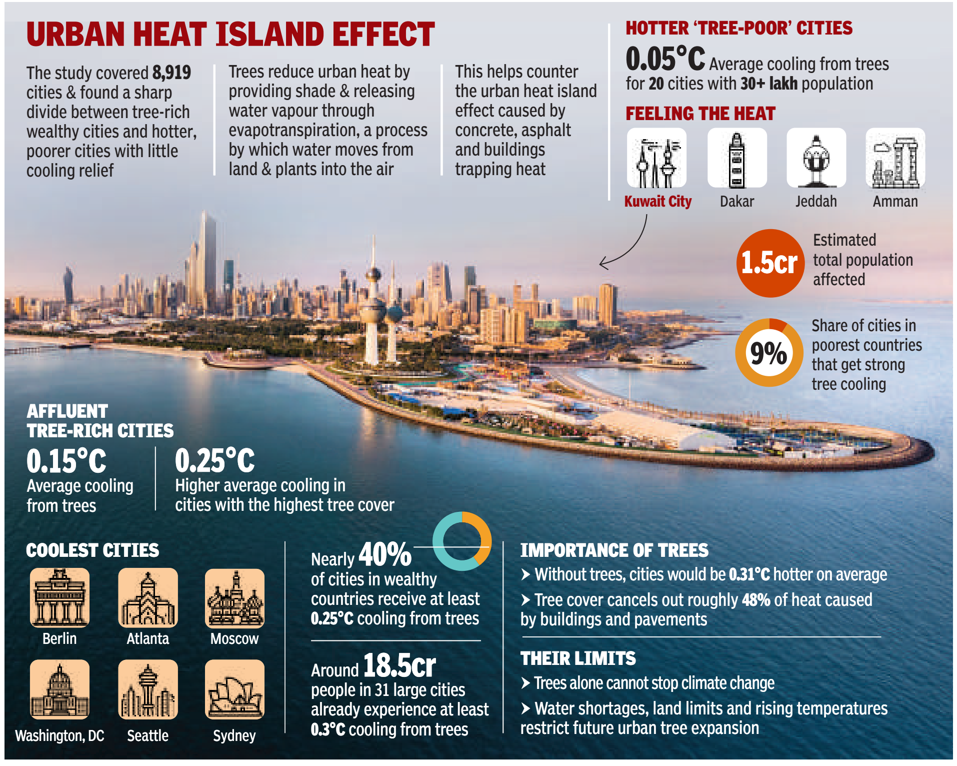

Trees are countering nearly half the urban heating from pavements and buildings in the world's cities, but they're not doing enough cooling in hotter, poorer cities where it's needed the most as the world warms, a new study found.

When averaged out over all the world's cities, tree cover — by giving shade and releasing water vapour — cools an average of 0.15°C, according to a study in 'Nature Communications'.

Without those trees, the world cities would warm at twice the rate due to the urban heat island effect, where dark roofs and pavement absorb heat. The human-caused warming mechanism is distinct from climate change caused by the burning of fossil fuels.

Researchers built their analysis of nearly 9,000 large cities by measuring temperatures in 150 city sections each. That allowed them to capture cooling effects for cities and neighbourhoods so that trees in New York's Central Park, for example, weren't credited for cooling more built-up areas miles away in the Bronx.

Significant swathes of population in 31 of the larger cities already feel an average cooling from tree cover of at least 0.3°C. But study lead author Rob McDonald, a scientist at the Nature Conservancy, said poorer and hotter large urban centres that need it the most aren't getting as much relief from higher heat, which can kill by confusing the brain, shutting down organs and overworking the heart.

The scientists used a combination of weather station measurements, satellite data and computer models to see the cooling trees provided.

In 20 cities, residents feel less than five-hundredths of a degree from cooling trees. In Dakar, Senegal; Jeddah, Saudi Arabia; Kuwait City and Amman, Jordan, there's such minimal tree cover the people living there essentially have no cooling from trees.

On the other end of the spectrum, McDonald looked at cities where tree cover cools at least 0.25°C — nearly half of cities in wealthy nations get that much cooling, compared to not even 10% in the poorest countries.

The list of places that cool the most is topped by Berlin and includes Atlanta, Moscow, Seattle, Sydney and Washington, DC, which have more trees. For example, Atlanta has 64% of its land area under tree canopy, McDonald said.

Wealthy areas in North America have larger plots and residents with more political clout, all of which contribute to larger tree cover, said Chris Greene of University of Dalhousie in Canada, who wasn't part of the study. "There's this inequality," McDonald said.

Thomas Crowther, an ecologist at the King Abdullah University of Science and Technology in Saudi Arabia, said every little bit helps. He's in a region where cities have nearly no cooling from tree cover, often because water is at a premium.

"As up to 75% of the human population shifts towards living in urban environments, these buffering effects of urban vegetation are going to be vital," said Crowther.

The study's authors said that cities, especially poorer and hotter ones, can and should do more to increase tree cover. But because of limitations in availability of water, land and proper species, combined with worsening climate change, at most they'd reduce future urban heating by 20%, McDonald said.

"Trees won't save us from climate change," McDonald said. "The climate scenarios are showing a much warmer world and there's only so much of that that tree cover can help with." AP

Long Summers Fuel Growth Of Algae In Remote Ladakh Lake

SwatiShindeGole
@timesofindia.com

Pic courtesy: Agharkar Research Institute

- Researchers studied sediments from Tsoltak lake, as well as algae & pollen, using electrical conductivity & carbon/nitrogen isotope analysis
- Stable isotopes showed plants dominated the region; pollen & algae showed how glacial meltwater & longer summers shaped these lake ecosystems
- Longer summers increase algal productivity, with climate-sensitive microorganisms flourishing in a once too-harsh environment

Longer summers driven by climate change are transforming a remote glacial lake in Ladakh into a living laboratory of adaptation, with microscopic algae increasingly thriving in waters once too harsh to support much life.

A new study on Tsoltak, a glacial lake situated nearly 5,000m above sea level near Chang La pass, found that rising temperatures and shorter frozen periods are fuelling biological activity in the lake. The research, published in the journal 'Limnology', was conducted by scientists from the Agharkar Research Institute in Pune, Birbal Sahni Institute of Palaeosciences in Lucknow, and the Academy of Scientific and Innovative Research in Ghaziabad.

Normally, high-altitude lakes that remain frozen for much of the year are "oligotrophic" — extremely poor in nutrients. But researchers found Tsoltak is becoming "meso-oligotrophic" as longer ice-free summers allow algae and other microscopic organisms to grow more actively.

"Winter snow and ice earlier controlled how long the lake stayed frozen. Now, with longer summers, the lake remains open for more time, allowing more biological activity," said lead author Priyanka Joshi.

Tsoltak's ecosystem is very sensitive to changes in temperature and, with extended summers, biological activity in waters that were once extremely low in nutrients has increased, the researchers say.

They analysed 40 sediment samples from the lake, nearby streams and seasonal pools, studying tiny algae such as diatoms and desmids, along with pollen grains that act as indicators of environmental conditions.

The study observed a rise in algae species including Didymosphenia, Cymbella and Diatoma, which flourish in clearer but slowly changing waters. Scientists said these organisms respond rapidly to shifts in temperature and nutrients, making them reliable markers of climate change. Pollen from desert plants such as Artemisia and Ephedra also suggested slightly wetter summers in the region despite its overall dry climate.

"These lakes are very fragile. A slight increase in temperature or change in snowfall can affect water chemistry, nutrients and life forms," says co-author Anjum Farooqui.

The researchers also found that biological activity in the lake depends heavily on atmospheric carbon dioxide and natural nitrogen fixation by microbes.

"This tells us that even in such harsh conditions, life adapts quickly," says co-author Binita Phartiyal.

QUICK QUIZ ON MAY 4

Our question: China recently tested a 10-passenger electric flying taxi capable of vertical takeoff and mid-air switching of propeller orientation. Developed for regional transport, what is the name of this aircraft? **Answer:** Autoflight V5000 Matrix

DND FLYWAY
NOIDA TOLL BRIDGE

NOIDA TOLL BRIDGE COMPANY LIMITED

CIN: L45101DL1996PLC315772
Registered Office: Toll Plaza, Mayur Vihar Link Road, New Delhi - 110091
Tel.: 0120 2516495 | **Email:** ntbcl@ntbcl.com | **Website:** www.ntbcl.com

Noida Toll Bridge Co. Ltd.

STATEMENT OF AUDITED FINANCIAL RESULTS FOR THE QUARTER AND YEAR ENDED MARCH 31, 2026

(Rs. in Lakhs)

Sl. No.	Particulars	Standalone					Consolidated				
		Quarter ended			Year ended		Quarter ended			Year ended	
		31.03.2026	31.12.2025	31.03.2025	31.03.2026	31.03.2025	31.03.2026	31.12.2025	31.03.2025	31.03.2026	31.03.2025
		Audited	Unaudited	Audited	Audited	Audited	Audited	Unaudited	Audited	Audited	Audited
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)	(10)	(11)	(12)
I	Total Income from Operations	1,270.87	2,327.97	1,093.76	5,873.44	4,260.16	1,271.71	2,328.10	1,093.96	5,883.72	4,261.11
II	Profit/(Loss) for the period before taxation	390.28	1,522.79	409.50	2,714.10	(24,429.29)	382.98	1,552.90	404.75	2,727.22	(24,422.18)
III	Net Profit/(Loss) from Continuing Operations	390.28	1,522.79	409.50	2,714.10	(24,429.29)	384.81	1,547.85	405.73	2,723.80	(24,418.58)
IV	Total Other Comprehensive Income for the period	(0.49)	0.22	(0.94)	0.16	1.99	(0.45)	0.41	(0.11)	0.79	0.91
V	Total Comprehensive Income for the period	389.79	1,523.01	408.56	2,714.26	(24,427.30)	384.36	1,548.26	405.62	2,724.59	(24,417.67)
VI	Paid-up equity share capital (Face Value of Rs. 10)	18,619.50	18,619.50	18,619.50	18,619.50	18,619.50	18,619.50	18,619.50	18,619.50	18,619.50	18,619.50
VII	Reserve (exculding Revaluation Reserve as shown in the Balance Sheet of the previous year)	N/A	N/A	N/A	(19,891.92)	(22,606.18)	N/A	N/A	N/A	(19,879.27)	(22,598.81)
VIII	Earning Per Share (Rs.)										
	Basic	0.21	0.82	0.22	1.46	(13.12)	0.21	0.83	0.22	1.46	(13.11)
	Diluted	0.21	0.82	0.22	1.46	(13.12)	0.21	0.83	0.22	1.46	(13.11)

Notes to Financial Results:

1. The above results have been reviewed by the Audit Committee and approved by the Board of Directors at their Meeting held on May 15, 2026.
2. The above is an extract of the detailed format of Quarterly Financial Results filed with the Stock Exchange under Regulation 33 of the SEBI (Listing Obligations and Disclosure Requirements) Regulation 2015. The full format of the Quarterly Financial Results are available on the websites of the Company, National Stock Exchange of India Limited and BSE Limited at **www.ntbcl.com**, **www.nseindia.com** and **www.bseindia.com,** respectively.

For and on behalf of the Board of Directors

Dheeraj Kumar
CEO & Executive Director
DIN No.: 07046151

Amit Agrawal
Chief Financial Officer

Place: Noida
Date: May 15, 2026

CHAIRMAN'S MESSAGE

COMPLETING 25 YEARS OF DND

Dear Stakeholders,

This year marks 25 years of DND operations - a flyway that has helped millions of commuters bridge the gap between their Aspirations and Achievements with every journey.

For a quarter century, DND has stood as more than a landmark bridge across the Yamuna. It has symbolized movement, opportunity and progress.

On this significant milestone, I extend my heartfelt gratitude to each one of you for being part of this journey.

The Flyway was designed with a scale, engineering approach and long-term utility that continues to efficiently serve the mobility requirements of the region even after 25 years.

Our journey, however, has not been without challenges. Unexpected developments over the years impacted the economics of the project and tested the resilience of all stakeholders.

These experiences also offered valuable lessons and we believe they will contribute towards stronger frameworks for future infrastructure partnerships.

Despite these challenges, the commitment of Company towards maintaining DND Flyway at the highest standards has remained firm.

The Company continues to prioritize commuter safety, ride quality, structural upkeep and operational reliability. Over the last few years, especially as the bridge ages, NTBCL has proactively and consistently undertaken strengthening and other critical maintenance initiatives to ensure that DND continues to remain among the most preferred connectors between Delhi and Noida.

These sustained efforts reflect the Company's long-standing commitment to preserving the quality, reliability and operational excellence of this vital urban mobility corridor.

The NCR is witnessing unprecedented expansion in connectivity infrastructure - including expressway integrations, multimodal transport corridors, regional mobility upgrades and enhanced connectivity toward emerging economic hubs - that will reshape commuter movement in the region in coming years.

In this evolving mobility ecosystem, DND is uniquely positioned to remain an important urban artery linking communities, businesses and growth centers across NCR.

To our valued shareholders, we wish to assure you that the Board and the management have always remained attentive to your concerns, suggestions and feedback over the years.

Every query, proposal, suggestion shared by our shareholders is viewed, not merely as an observation, but as an opportunity for introspection and evaluation - prompting us to continuously examine whether additional measures, strategic initiatives or operational improvements could be undertaken to enhance long-term value and improve returns on your investment in the Company.

25 YEARS
DND FLYWAY
CONNECTING PEOPLE SINCE 2001

While certain regulatory and contractual constraints have limited the range of options available to us at different stages of the Company's journey, our commitment to contribute as an efficient infrastructure firm connecting India remains unwavering.

We continue to evaluate all viable possibilities with prudence and responsibility, while remaining focused on safeguarding the Company's long-term interests and creating sustainable value for our stakeholders as we move forward.

Once again, on behalf of the Board, I thank you for your enduring trust, confidence and support over these 25 years.

Warm regards,

Nand Kishore
Chairman
NTBCL

advt@ilfsindia.com

www.ntbcl.com